बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

राजकुमार का एक चरवाहा बनना

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: M. Maillot; Lazarus
रूपान्तरकार: E. Frischbutter; Sarah S.
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2015 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

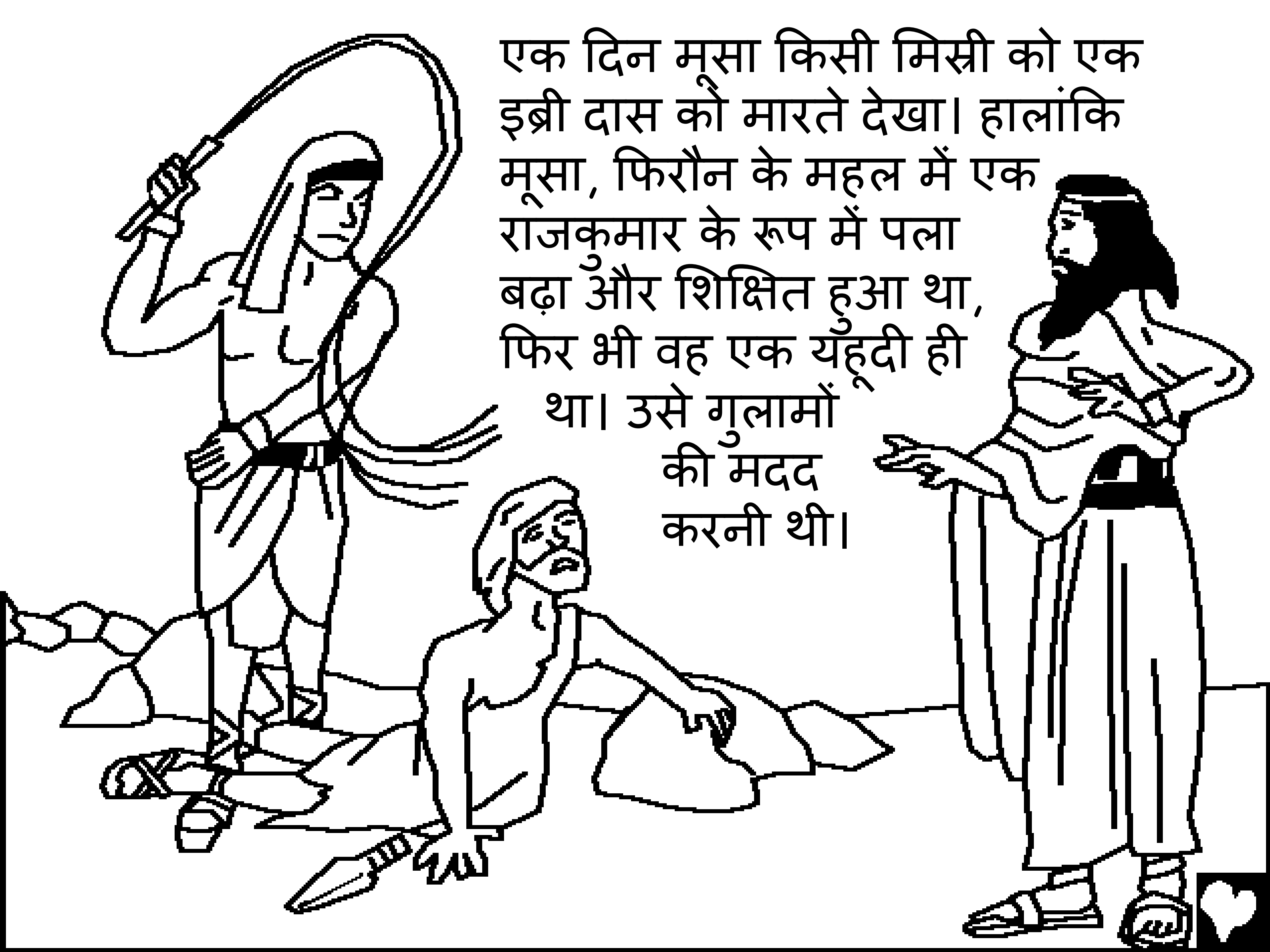
एक दिन मूसा किसी मिस्री को एक
इब्री दास को मारते देखा। हालांकि
मूसा, फिरौन के महल में एक
राजकुमार के रूप में पला
बढ़ा और शिक्षित हुआ था,
फिर भी वह एक यहूदी ही
था। उसे गुलामों
की मदद
करनी थी।

मूसा, अपनी निगाहें चारों ओर घुमाते हुवे कि कोई भी उसे देख ना ले, उस क्रूर दासों के स्वामी पर हमला किया। इस लड़ाई में, मूसा ने उस मिस्री को मार डाला। और जल्दी से उसने उस, शव को दफन कर दिया।

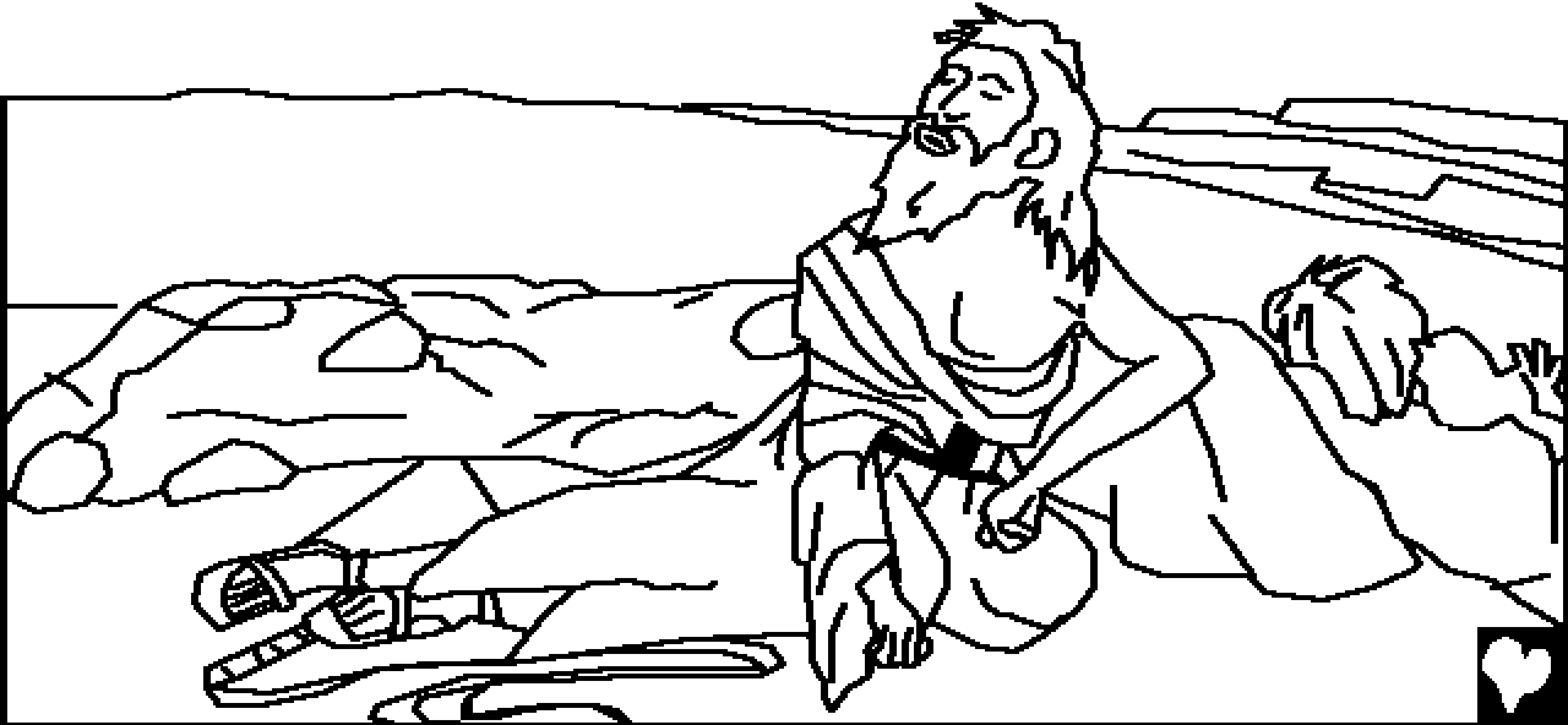

अगले दिन, मूसा दो इब्रियों को आपस में लड़ते देखा। वह उन्हें रोकने की कोशिश की। एक ने कहा "क्या तुम उस मिस्री के समान मुझे भी मार डालोगे ?" मूसा डर गया। सब लोगों को कल के बारे में पता चल चुका था। फिरौन को भी मालूम हो गया था। मूसा को भागना होगा। वह मिद्यान नामक देश को भाग गया।

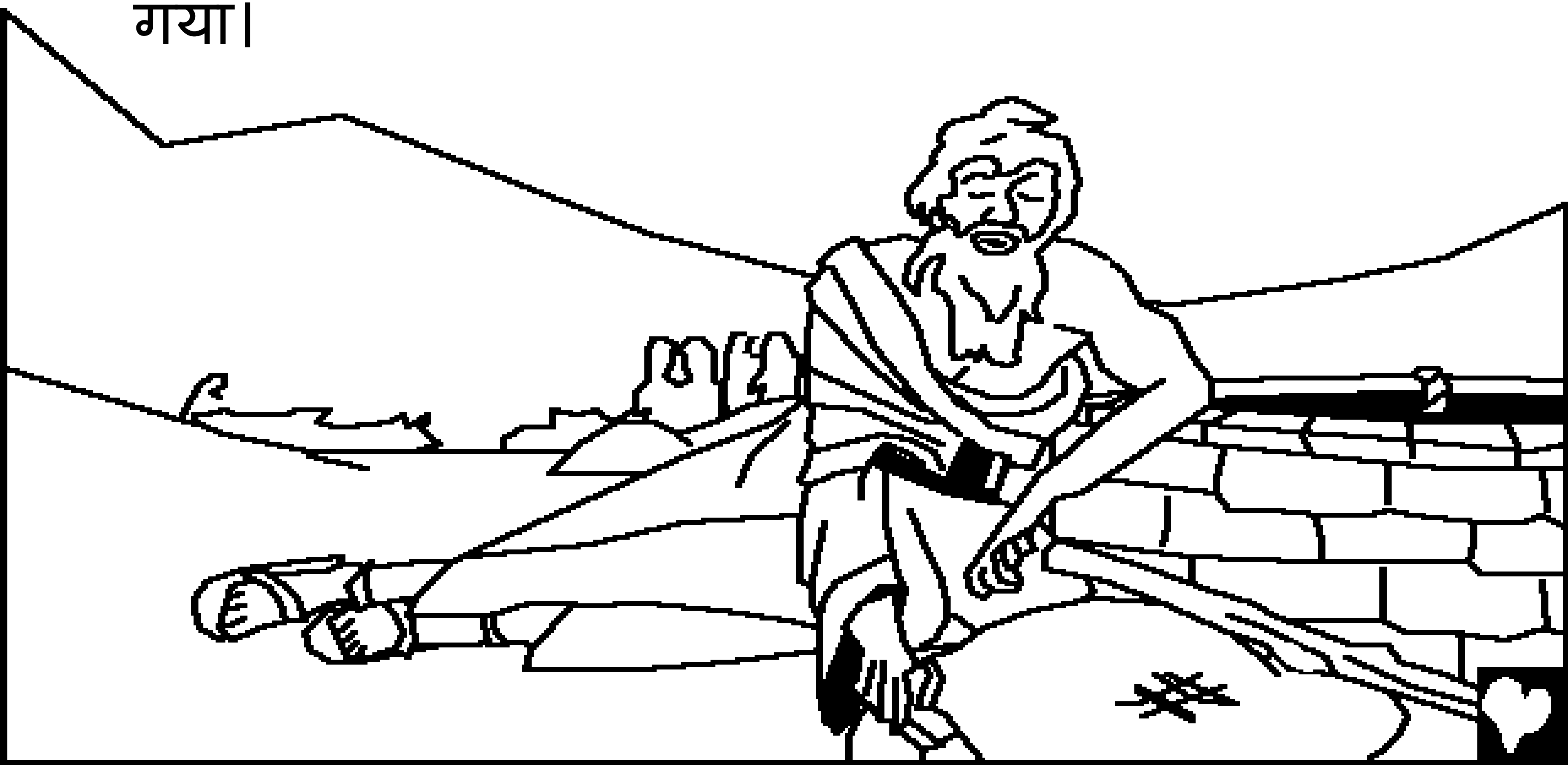

मूसा एक कुँवें के पास विश्राम कर रहा था, वहीँ मिद्यान के याजक की सात बेटियां अपने पिता के झुंड को पानी पिलाने के लिए कठौती में पानी भर रहीं थी।

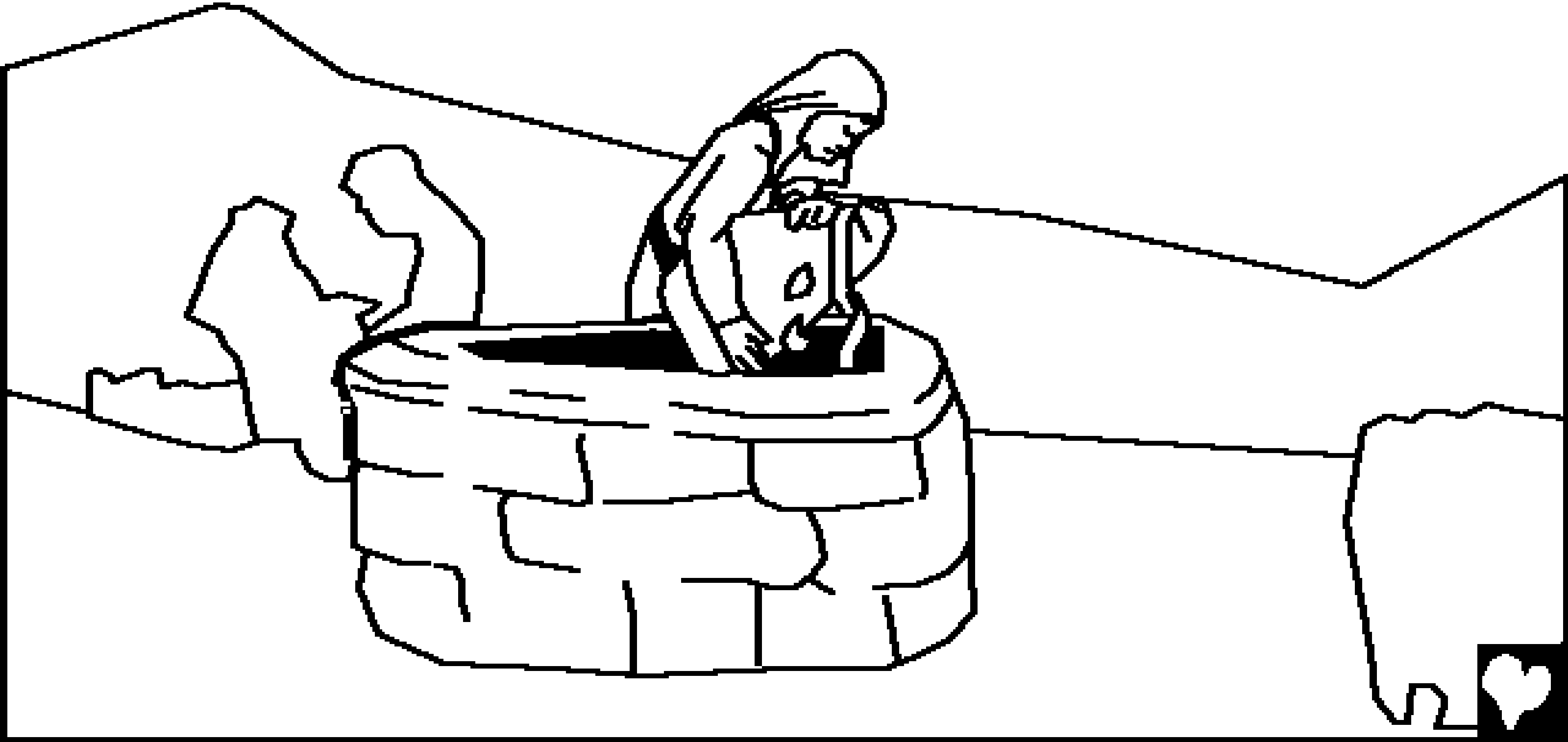

अन्य चरवाहे उन्हें धक्का देकर एक तरफ हटाने की कोशिश की। मूसा उन महिलाओं की रक्षा करके उनकी मदद की।

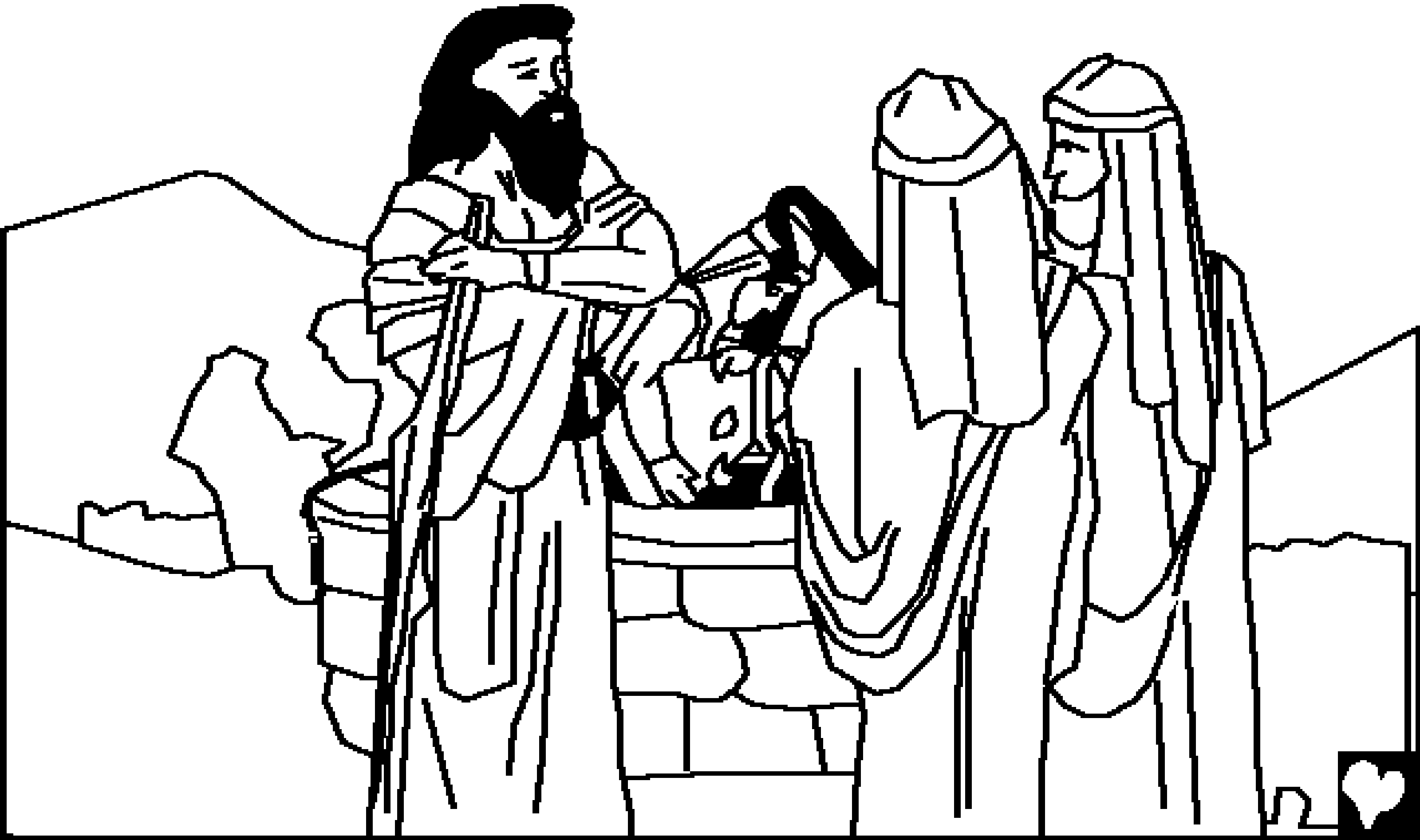

लड़कियों के पिता रूएल ने आश्चर्य से पुछा, "तुम लोग आज जल्दी घर आ गयी!" जब लड़कियों ने बताया तो उसने कहा, "उस आदमी को यहाँ लाओ मूसा रूएल के साथ रहा जो जेथ्रो के नाम से भी जाना जाता था। आगे चलकर, मूसा रूएल की सबसे बड़ी बेटी

से शादी की।

अब मिस्र में, फिरौन की मृत्यु हो चुकी थी। परमेश्वर के लोग, इब्रि, अभी भी गुलाम थे। वे बड़े दु:ख में जीवन यापन कर रहे थे!

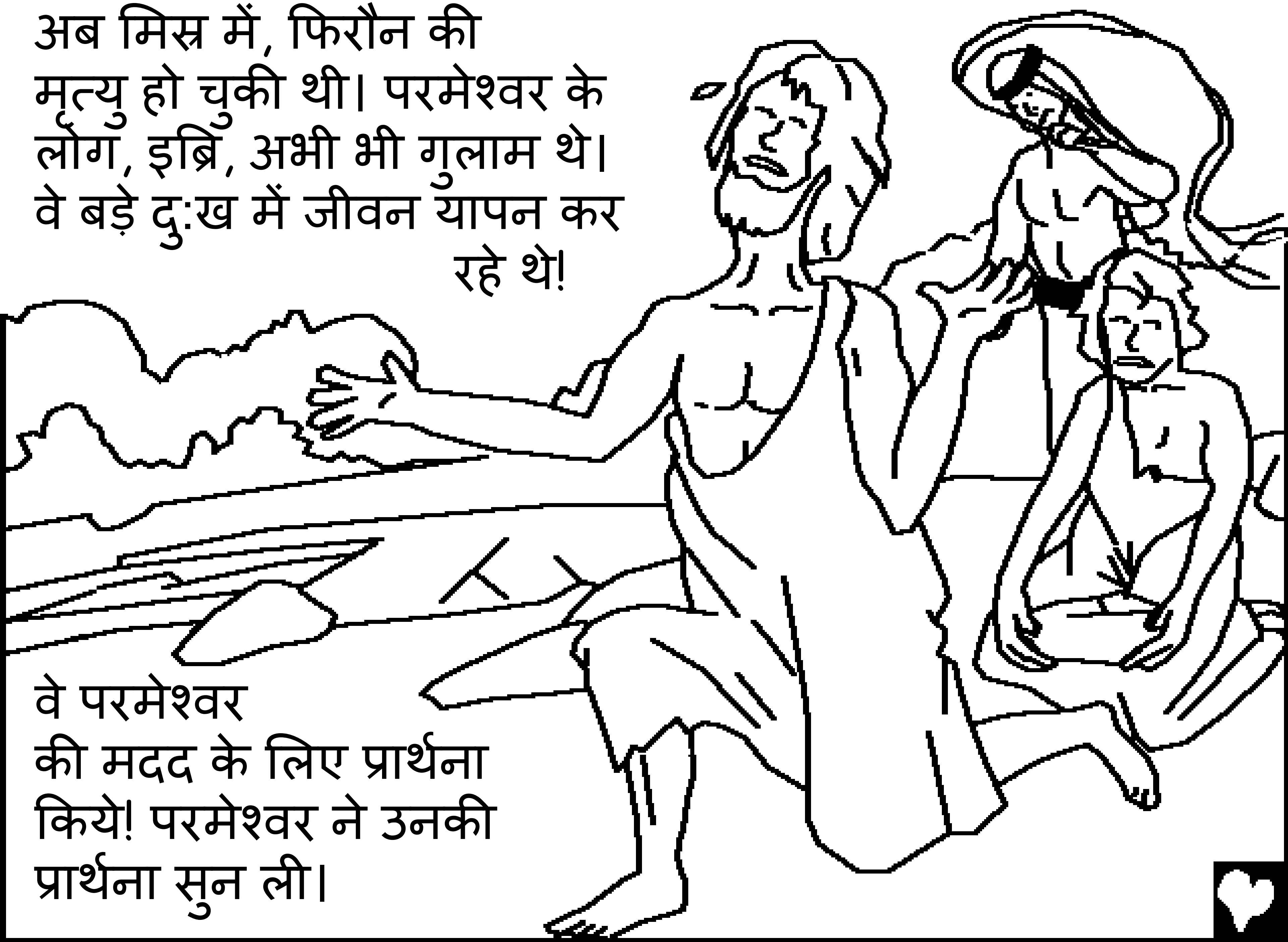

वे परमेश्वर की मदद के लिए प्रार्थना किये! परमेश्वर ने उनकी प्रार्थना सुन ली।

मूसा को यह पता नहीं था, परन्तु परमेश्वर ने गुलाम इब्रियों की मदद के लिए उसे उपयोग करने की योजना बनायी। मूसा
को मिस्र छोड़े हुवे चालीस साल बीत चुके थे। वह रूएल के झुंड का चरवाहा था। लेकिन मिस्र में उसके लोगों की याद जरूर आया करती होगी।

एक दिन मूसा पास की एक झाड़ी में आग देखा। लेकिन आग झाड़ी को जला नहीं पा रही थी। मूसा इसका पता लगाने का फैसला किया।

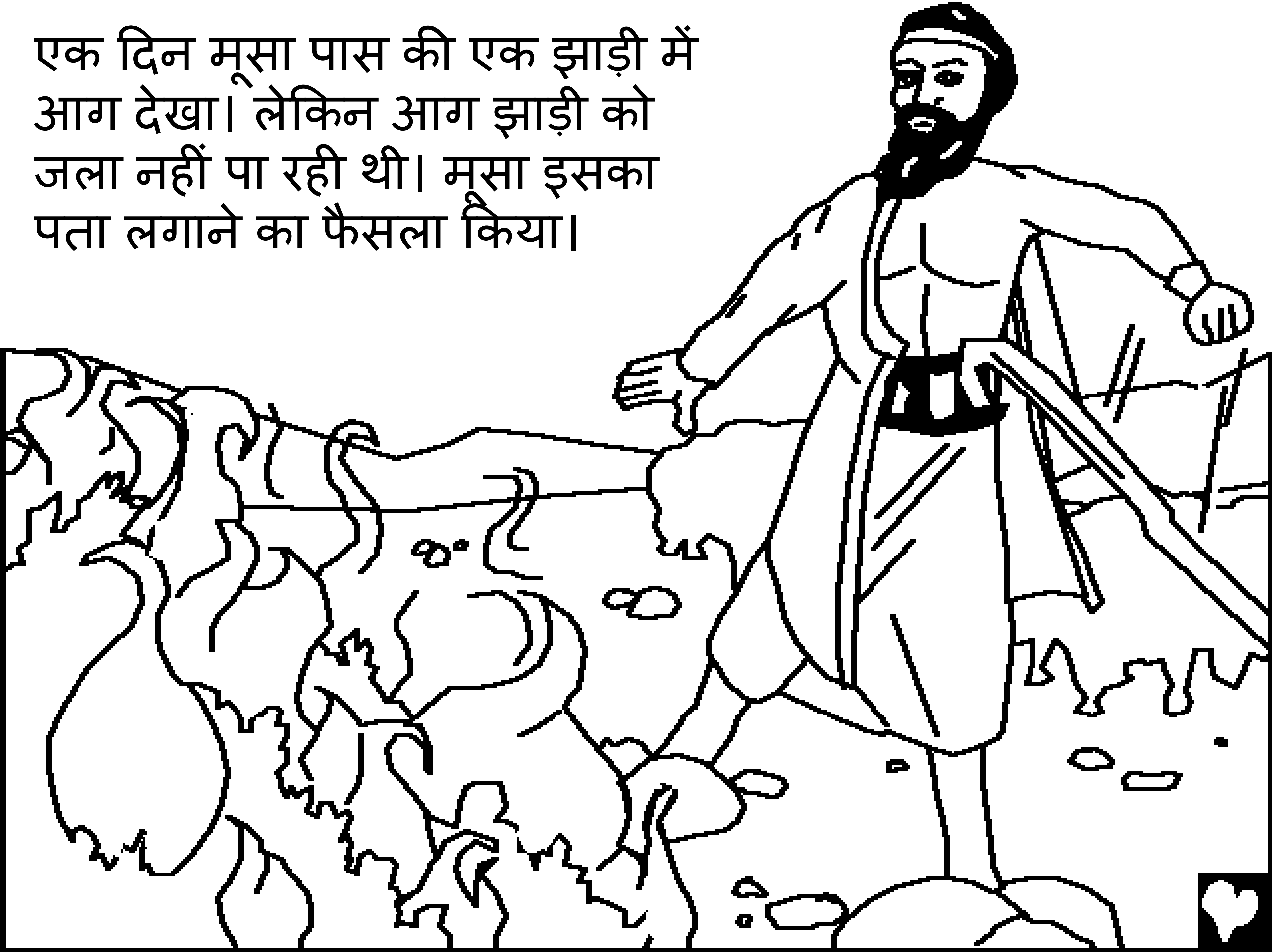

जैसे ही मूसा झाड़ी के करीब पहुंचा, परमेश्वर ने झाड़ी में से मूसा को पुकारा, "मूसा!" "मैं यहाँ हूँ," मूसा ने कहा। "और करीब मत आओ," परमेश्वर ने कहा "अपने पैर की जूती उतार लो, जिस भूमि पर खड़े हो वह पवित्र भूमि है।"

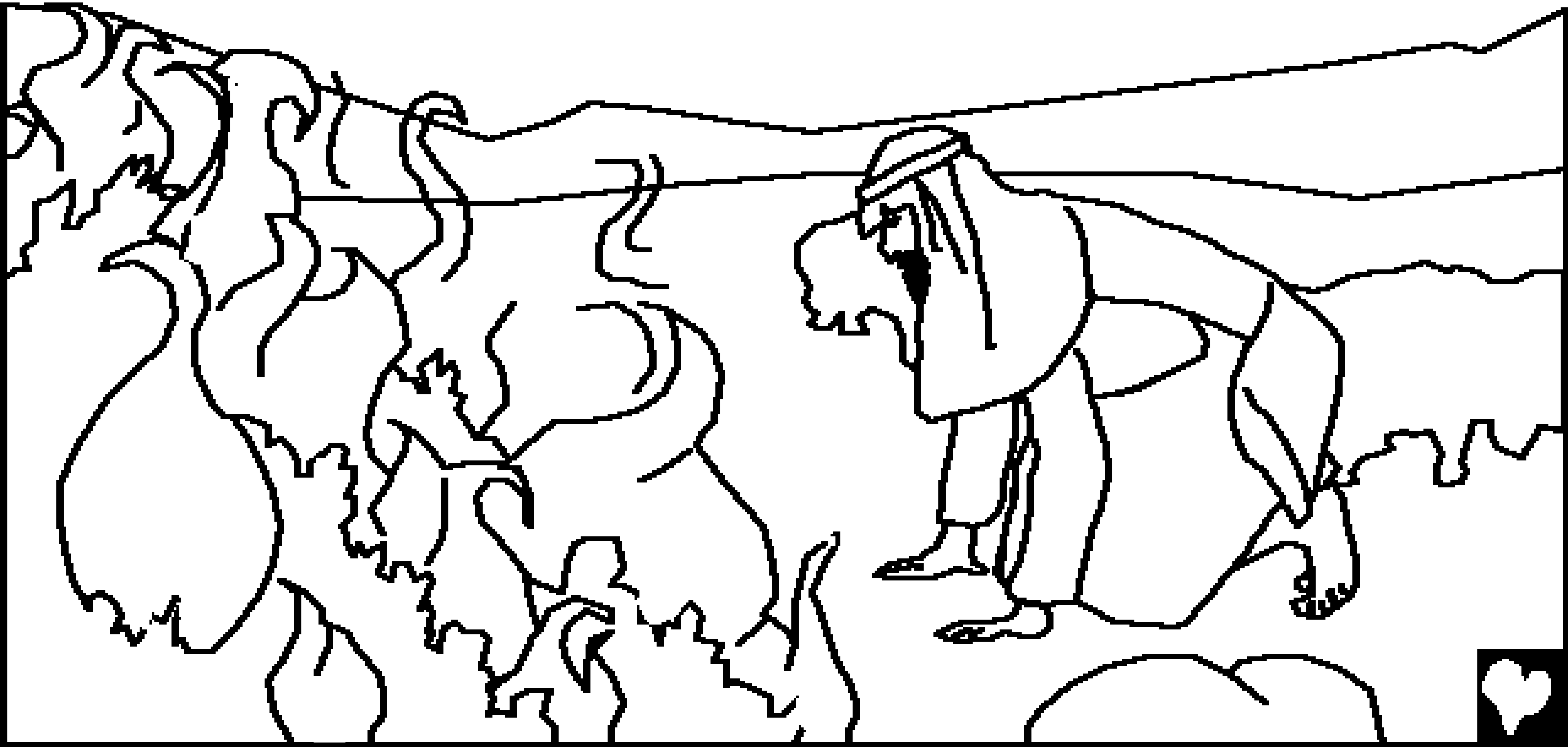

परमेश्वर ने कहा, "मैं अपने लोगों को मिस्र से बाहर निकाल लाने के लिए तुम्हे फिरौन के पास भेजूंगा" लेकिन मूसा वहां जाने से डरने लगा।

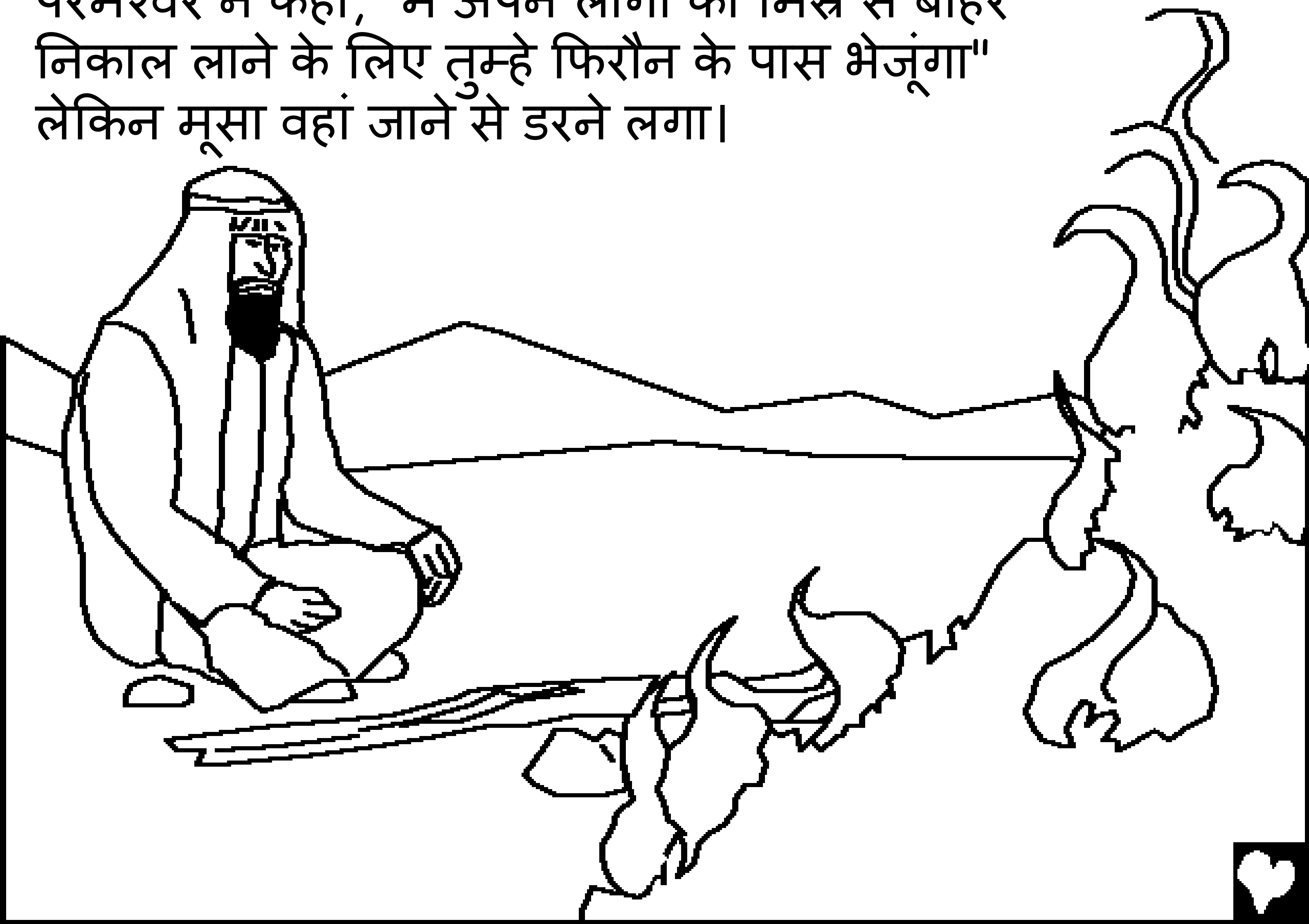

फिर परमेश्वर ने मूसा को अपनी महान शक्ति को दिखाया। वह मूसा की छड़ी को एक साँप में बदल दिया।

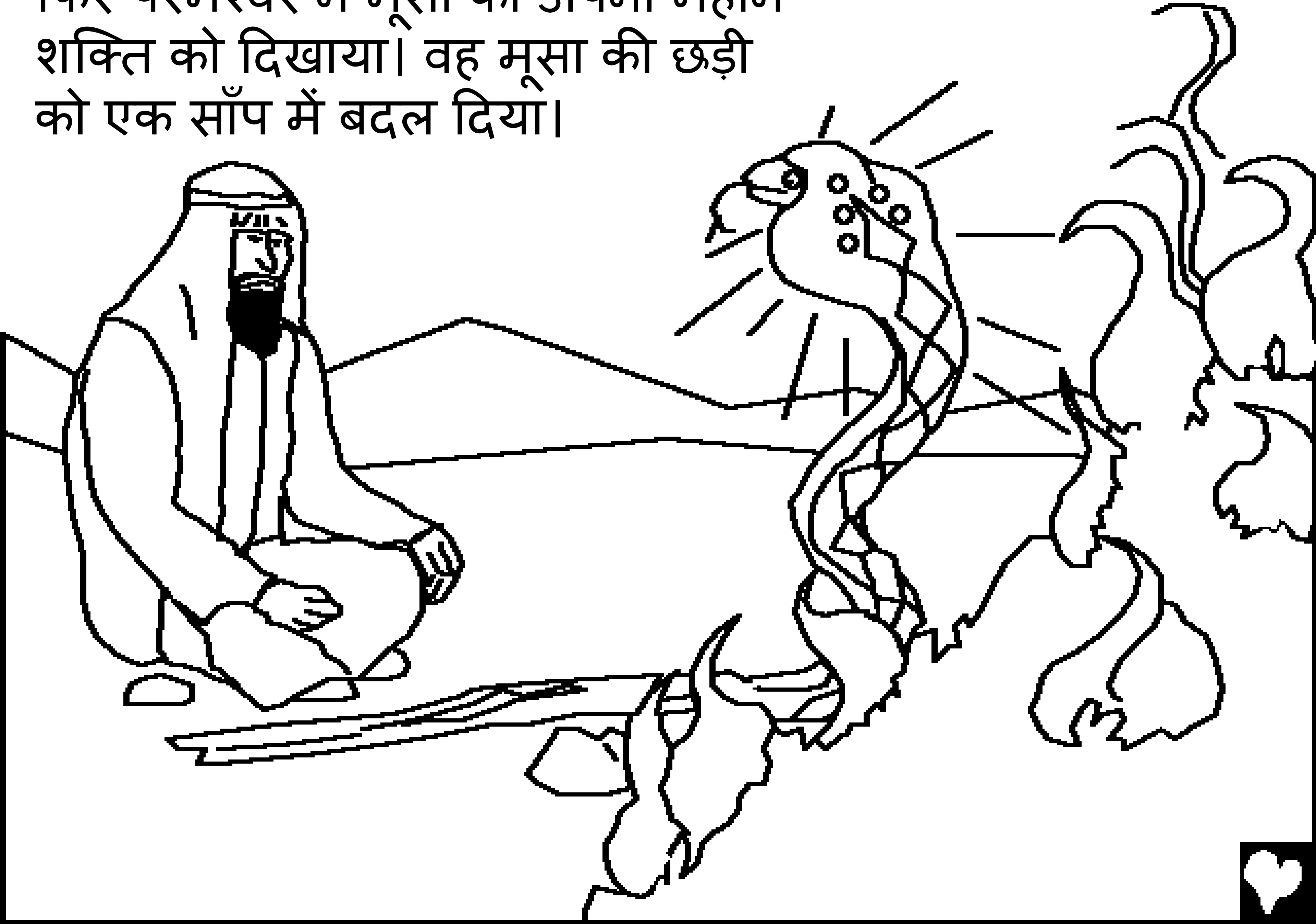

जब मूसा साँप को पूंछ की तरफ से पकड़ कर उठाया तो वह फिर से उसकी लाठी बन गई। परमेश्वर एक और संकेत दिया।

उसने आज्ञा दी, "सीने पर अपने हाथ को रखो" मूसा ने वैसा ही किया। उसका हाथ कुष्ठ रोग से ग्रसित होकर सफेद हो गया।

वह फिर से वैसा किया और उसका हाथ चंगा हो गया।

मूसा अभी भी आपत्ति जतायी। वह परमेश्वर को बताया, "मैं अच्छी तरह से बोल नहीं सकता हूँ।" परमेश्वर नाराज हुआ। उसने कहा, "मैं तुम्हारे भाई हारून का उपयोग करूंगा, तुम उसे बोलने के लिए शब्द बताना।"

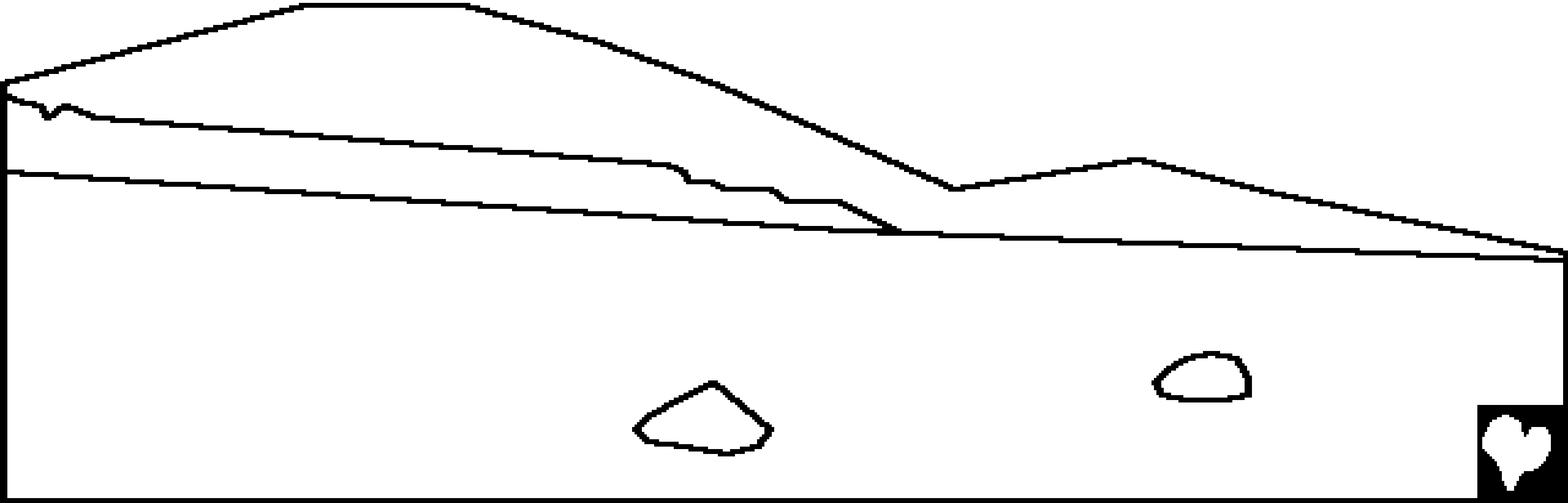

मूसा, जेथ्रो के पास लौटा, अपना सामान बांधा और मिस्र के लिए रवाना हो गया।

परमेश्वर ने, मूसा के भाई हारून का नेतृत्व किया की वह पहाड़ों में मूसा से मिले। मूसा ने सभी इब्री लोगों को मिस्रवासियों की गुलामी से मुक्त करने के बारे में परमेश्वर की योजना को हारून से बताया।

दोनों साथ में, यहूदी अगुवों के पास इस खबर को पहुंचाये। जब मूसा इब्री अगुवों को इस बड़े चिंन्ह को दिखाया तब वे, विस्वास किये की परमेश्वर उनकी मदद करेगा।

साथ में, वे झुक कर परमेश्वर की आराधना किये।

बहादुरी पूर्वक, मूसा और हारून फिरौन के पास गये। उन्होंने उससे कहा कि, "परमेश्वर कहता है की, मेरे लोगों को जाने दो।"

"मैं इस्राएलियों को जाने नहीं दूँगा," फिरौन ने जवाब दिया। वह परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं करेगा।

परमेश्वर ने फिरौन के मन को बदलने के लिए उसकी बड़ी शक्ति का उपयोग करना होगा।

राजकुमार का एक चरवाहा बनना

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

निर्गमन 2-5

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

10

60

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16